

Seat No. _____

No. of printed pages: 01

[A-56]

SARDAR PATEL UNIVERSITY

T.Y.B.A. (External) Examination (NEW COURSE)

Tuesday, 20 July 2021

02:00 P.M. To 04:00 P.M.

TYBAGUJ303 Gujarati Lit.

‘पूर्वालाप’-कान्त अने ‘केटलांक काव्यो’-(सुन्दरम्) संपा.- निरंजन ભગત

કુલ ગુણ : ૭૦

- પ્ર. ૧ ‘पूर्वालाप’ काव्यसंग्रहने आधारे कान्तनी कवि तरीकेनी विशेषताओ अने मर्यादाओ जण्णवो.
अथवा (१७)
- પ્ર. ૧ ટૂંકનોંધ લખો.
(૧) ‘पूर्वालाप’नां प्रकृतिकाव्यो
(२) ‘अतिज्ञान’ भंडकाव्यना शीर्षकनी यथार्थता
- પ્ર. ૨ ‘पूर्वालाप’(कान्त)नां अल्यासनियत प्रणय काव्योनी रसलक्षी समीक्षा करो. (१८)
अथवा
- પ્ર. ૨ ટૂંકનોંધ લખો.
(૧) कान्तना मैत्रीकाव्यो
(२) ‘वसंतविजय’ भंडकाव्यना नायक पांडु
- પ્ર. ૩ ‘केटलांक काव्यो’नां अल्यासनियत काव्योने आधारे सुंदरमनी कवि तरीकेनी सिद्धि-मर्यादाओ
जण्णवो. (१७)
अथवा
- પ્ર. ૩ ટૂંકનોંધ લખો.
(૧) सुन्दरमनां काव्योमां समाजदर्शन
(२) सुन्दरमनां काव्योमां आलोभायेल प्रणयभाव
- પ્ર. ૪ सुन्दरमनां दीन-दलित-पीडितोनी संवेदनाने वाया आपता काव्योनी समीक्षा करो. (१८)
अथवा
- પ્ર. ૪ ટૂંકનોંધ લખો.
(૧) सुन्दरमनां काव्योमां आध्यात्मिक चिंतन (२) ‘त्रिमूर्ति’ शीर्षकनी यथार्थता

— X —